

**POST GRADUATE CERTIFICATE IN  
TRANSLATION AND ADAPTATION  
(PGCAR)**

**Term-End Examination  
December, 2022**

**MTT-031 : VARIOUS DIMENSIONS OF  
TRANSLATION AND ADAPTATION**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** Attempt any **three** questions from Questions No. 1 to 6. Questions no. 7 and 8 are **compulsory**. Answer long-answer type questions (1 to 6) in about 700 words and write short notes in about 350 words each. All questions carry equal marks.

---

---

1. Discuss the views of thinkers relating to types of Translations.
2. Examine various challenges in Translation.
3. Discuss the emerging issues in the area of Translation.
4. Describe the importance and relevance of Adaptation.

5. Discuss Adaptation as a form of Intermedial Translation.
6. Give a detailed account of assignment of Copyright.
7. Write short notes on any **two** of the following :
  - (a) Limited Perspective of Translation
  - (b) Transcreation
  - (c) Theory of Resistance in Translation
  - (d) First Owner of Copyright
8. (a) Translate any **one** of the following passages into Hindi :

Though his beat covered Vinayak Mudali Street and its four parallel roads, it took him nearly six hours before he finished his round and returned to the head office in Market Road to deliver accounts. He allowed himself to get mixed up with the fortunes of the persons to whom he was carrying letters. At No. 13, Kabir Street, lived the man who had come halfway up the road to ask for a letter for so many years now. Thanappa had seen him as a youngster, and had watched him

day-by-day greying on the pyol, sitting there and hoping for a big prize to come his way through solving crossword puzzles. 'No prize yet,' he announced to him every day. 'But don't be disheartened.' 'Your interest has been delayed this month somehow,' he said to another.

### OR

He saw a most wonderful sight. Through a little hole in the wall the children had crept in, and they were sitting in the branches of the trees. In every tree that he could see there was a little child. And the trees were so glad to have the children back again that they had covered themselves with blossoms, and were waving their arms gently above the children's heads. The birds were flying about and twittering with delight, and the flowers were looking up through the green grass and laughing. It was a lovely scene. Only in one corner it was still winter. It was the farthest corner of the garden, and in it was standing a little boy. He was so small that he could not reach up to the branches of the tree, and he was wandering all round it, crying bitterly.

- (b) Translate any **one** of the following passages into English :

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है । कभी-कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा । परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं । अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई । मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं । सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे । फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की । हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं । मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है । परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे । पिता ने अंग्रेज़ी पढ़ी थी । हिंदी का कोई वातावरण नहीं था । मेरी माता जबलपुर से आई तब वे अपने साथ हिंदी लाईं । वे पूजा-पाठ भी बहुत करती थीं । पहले-पहल उन्होंने मुझको 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया ।

### अथवा

एक जगह दो रास्ते फूट रहे थे, मैं बाएँ का रास्ता ले मील-डेढ़ मील चला गया । आगे एक घर में पूछने से पता लगा कि लंकोर का रास्ता दाहिने वाला था । फिर लौटकर उसी को पकड़ा । चार-पाँच बजे के करीब मैं

गाँव से मील-भर पर था, तो सुमति इंतजार करते हुए मिले । मंगोलों का मुँह वैसे ही लाल होता है और अब तो वह पूरे गुस्से में थे । उन्होंने कहा – मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले, तीन-तीन बार चाय को गरम किया । मैंने बहुत नरमी से जवाब दिया – लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र ! देख नहीं रहे हो, कैसा घोड़ा मुझे मिला है ! मैं तो रात तक पहुँचने की उम्मीद रखता था । खैर, सुमति को जितनी जल्दी गुस्सा आता था, उतनी ही जल्दी वह ठंडा भी हो जाता था । लंकोर में वे एक अच्छी जगह पर ठहरे थे । यहाँ भी उनके अच्छे यजमान थे । पहले चाय-सत्तू खाया गया, रात को गरमागरम थुक्पा मिला ।

---

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र  
(पी.जी.सी.ए.आर.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.टी.टी.-031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : प्रश्न संख्या 1 से 6 में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।  
प्रश्न संख्या 7 और 8 अनिवार्य हैं । (1 से 6) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्नों  
के उत्तर लगभग 700 शब्दों में दीजिए तथा संक्षिप्त टिप्पणियाँ  
लगभग 350 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक  
समान हैं ।

1. अनुवाद प्रकारों से संबंधित विचारकों के मतों की चर्चा कीजिए ।
2. अनुवाद में विभिन्न चुनौतियों का परीक्षण कीजिए ।
3. अनुवाद के क्षेत्र में उभरते मुद्दों की चर्चा कीजिए ।
4. रूपांतरण के महत्त्व एवं प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए ।

5. अंतरमाध्यम अनुवाद के एक प्रकार के रूप में रूपांतरण की चर्चा कीजिए ।
6. प्रतिलिप्यधिकार के समनुदेशन पर एक विस्तृत विवरण दीजिए ।
7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
- (क) अनुवाद का सीमित संदर्भ
- (ख) अनुसृजन
- (ग) अनुवाद में प्रतिरोध का सिद्धांत
- (घ) प्रतिलिप्यधिकार का प्रथम स्वामी
8. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

Though his beat covered Vinayak Mudali Street and its four parallel roads, it took him nearly six hours before he finished his round and returned to the head office in Market Road to deliver accounts. He allowed himself to get mixed up with the fortunes of the persons to whom he was carrying letters. At No. 13, Kabir Street, lived the man who had come halfway up the road to ask for a letter for so many years now. Thanappa had seen him as a youngster, and had watched him

day-by-day greying on the pyol, sitting there and hoping for a big prize to come his way through solving crossword puzzles. 'No prize yet,' he announced to him every day. 'But don't be disheartened.' 'Your interest has been delayed this month somehow,' he said to another.

### OR

He saw a most wonderful sight. Through a little hole in the wall the children had crept in, and they were sitting in the branches of the trees. In every tree that he could see there was a little child. And the trees were so glad to have the children back again that they had covered themselves with blossoms, and were waving their arms gently above the children's heads. The birds were flying about and twittering with delight, and the flowers were looking up through the green grass and laughing. It was a lovely scene. Only in one corner it was still winter. It was the farthest corner of the garden, and in it was standing a little boy. He was so small that he could not reach up to the branches of the tree, and he was wandering all round it, crying bitterly.



(ख) निम्नलिखित में से किसी एक अनुच्छेद का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है । कभी-कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा । परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं । अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई । मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं । सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे । फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की । हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं । मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है । परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे । पिता ने अंग्रेज़ी पढ़ी थी । हिंदी का कोई वातावरण नहीं था । मेरी माता जबलपुर से आईं तब वे अपने साथ हिंदी लाईं । वे पूजा-पाठ भी बहुत करती थीं । पहले-पहल उन्होंने मुझको 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया ।

### अथवा

एक जगह दो रास्ते फूट रहे थे, मैं बाएँ का रास्ता ले मील-डेढ़ मील चला गया । आगे एक घर में पूछने से पता लगा कि लंकोर का रास्ता दाहिने वाला था । फिर

लौटकर उसी को पकड़ा । चार-पाँच बजे के करीब मैं गाँव से मील-भर पर था, तो सुमति इंतजार करते हुए मिले । मंगोलों का मुँह वैसे ही लाल होता है और अब तो वह पूरे गुस्से में थे । उन्होंने कहा – मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले, तीन-तीन बार चाय को गरम किया । मैंने बहुत नरमी से जवाब दिया – लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र ! देख नहीं रहे हो, कैसा घोड़ा मुझे मिला है ! मैं तो रात तक पहुँचने की उम्मीद रखता था । खैर, सुमति को जितनी जल्दी गुस्सा आता था, उतनी ही जल्दी वह ठंडा भी हो जाता था । लंकोर में वे एक अच्छी जगह पर ठहरे थे । यहाँ भी उनके अच्छे यजमान थे । पहले चाय-सत्तू खाया गया, रात को गरमागरम थुक्पा मिला ।

---